स्त्री सशक्तीकरण: संभावनाएं एवं चुनौतियाँ
पर भाषण प्रतियोगिता
आयोजक: जेंडर संवेदनशीलता समिति
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

दिनांक 19 नवंबर 2019 को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की जेंडर संवेदनशीलता समिति के तरफ से विश्वविद्यालय स्तर पर "स्त्री सशक्तीकरण: संभावनाएं एवं चुनौतियां" विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन शाम 4:00 बजे संस्कृति विद्यापीठ के गुर्रम जाशुवा सभागार में किया गया।

प्रतियोगिता की निर्णायक मंडल में प्रो. प्रीति सागर (संकायाध्यक्ष, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग), प्रो. कृपाशंकर चौबे (संकायाध्यक्ष, मानविकी एवं समाजिक विज्ञान विद्यापीठ) तथा डॉ॰ वीरेंद्र प्रताप यादव (सहायक प्रोफेसर, मानव विज्ञान विभाग) तथा डॉ॰ सुप्रिया पाठक (संयोजक, जेंडर संवेदनशीलता समिति एवं प्रभारी विभागाध्यक्ष, स्त्री अध्ययन विभाग), श्री चरनजीत (अतिथि अध्यापक, स्त्री अध्ययन विभाग) आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुरुआत निर्णायक मंडल के सभी सदस्यों को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत द्वारा की गयी। स्वागत वक्तव्य देते हुए डॉ॰ सुप्रिया पाठक ने निर्णायक मंडल के सभी सदस्यों व प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि उम्मीद है कि जेंडर संवेदनशीलता समिति द्वारा 'स्त्री सशक्तीकरण: संभावनाएं एवं चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता पर गहन चर्चा होगी और स्त्री सशक्तीकरण पर गहन समझ विकसित होगी।

भाषण प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं शामिल हुए और एक उत्साहवर्धक माहौल में छात्रों ने अपने वक्तव्यों द्वारा "स्त्री सशक्तीकरण: संभावनाएं एवं चुनौतियां" विषय पर अपनी बात रखी। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने चढ़-बढ़कर प्रतिभाग किया जिसमें छात्र-छात्राओं का अनुपात लगभग बराबर का रहा।

इस भाषण प्रतियोगिता में लगभग सभी विभागों के छात्र/छात्रा उपस्थित रहे जो कि भारत के अलग-अलग राज्यों से आते हैं इसलिए उनके भाषणों में कई विविधताएँ दृष्टिगोचर हुई, इस कारण भाषण प्रतियोगिता में सभी ने अपनी भरपूर रुचि दिखाई। अपने भाषण के माध्यम से छात्रों ने विभिन्न दृष्टिकोण और विभिन्न आयामों के द्वारा अपनी बात कही। प्रतियोगिता में न केवल महिलाओं से जुड़े ऐतिहासिक संदर्भों के बारे में अपितु वर्तमान में भी महिलाओं के हित-अहित में जो घटनाएँ घटित हो रहीं हैं उनपर छात्र/छात्राओं ने खुलकर अपने विचार व्यक्त किए। कुछ छात्राओं ने अपने कुछ अनुभव भी सांझा किए। निर्णायक मण्डल ने पूरी तन्मयता से प्रतिभागियों को सुना। प्रतियोगिता के माध्यम से उपस्थित विद्यार्थियों ने जेंडर और पितृसत्ता के बारे में अपनी समझ को और व्यापक किया, साथ ही स्त्रियों से संबन्धित चुनौतियां क्या है, इसको समझा और स्त्री सशक्तीकरण हेतु संभावनाओं पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्री केशव कुमार (प्रदर्शनकारी कला विभाग), द्वितीय स्थान सुश्री आरती (दलित एवं जनजातीय अध्ययन) तथा तृतीय स्थान सुश्री ब्यूटी कुमारी (बी.एस.डब्लू.) को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के अंत में औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन डॉ॰ सुप्रिया पाठक ने दिया।

******